an>

Title: Need to include Dhangar community of Maharashtra in the list of Scheduled Tribes.

श्री कृपाल बालाजी तुमाने (रामटेक) ः महाराष्ट्र राज्य में धनगर समाज जनजाति के लोग आजादी के बाद से आरक्षण के लिए निरंतर संघर्ष करते आ रहे हैं, पर अभी तक उन्हें आरक्षण नहीं मिला है।

भारतीय संविधान के अनुसार अनुसूचित जनजाति की सूची में 36 नम्बर पर ओरेन, धनगड का उल्लेख है। हिन्दी भाषा के उच्चारण के अनुसार धनगर और धनगड एक ही शब्द है, जो एक ही समाज के लिए उल्लेख है। महाराष्ट्र राज्य में धनगर समाज है और धनगड नाम की कोई भी जनजाति अस्तित्व में नहीं है।

महाराष्ट्र में धनगड समाज की जनसंख्या लगभग 11 प्रतिशत यानि इस समाज के 1.30 लाख लोग महाराष्ट्र में निवास करते हैं। यह समाज पूरी तरह संघ है। इतनी बड़ी संख्या में समाज होते हुए भी उनकी अशिक्षा एवं अज्ञानता के कारण इस समाज को आरक्षण नहीं मिला है। महाराष्ट्र राज्य कि यह जनजाति अत्यंत पिछड़ी है और समाज में उचित स्थान एवं पहचान बनाने के लिए वर्षों से संघर्षरत है।

महाराष्ट्र सरकार ने इस जाति के लोगों के विकास के लिए कोई योजना नहीं बनाई है। यदि इस पिछड़ी जनजाति को भारत सरकार से आरक्षण मिल जाता है तो इन लोगों को मुख्य धारा में आने का अवसर मिलेगा और इनका विकास होगा।

अतएव भारत सरकार से मेरा अनुरोध है कि धनगर समाज को आरक्षण देकर अनुसूचित जनजाति की सूची में समावेश किया जाए।